भारत – नामीबिया संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और नामीबिया के बीच संबंध मधुर एवं सौहार्दपूर्ण हैं। भारत ने नामीबिया के मुक्ति आंदोलन में बढ़-चढ़ कर सहयोग किया था तथा वास्तव में संयुक्त राष्ट्र में नामीबिया की आजादी का मुद्दा उठाने वाले पहले राष्ट्रों में से एक था। विदेश में पहला स्वापो दूतावास 1986 में नई दिल्ली में स्थापित किया गया जिसे 1990 में नामीबिया की आजादी के बाद बंद कर दिया गया। स्वतंत्र नामीबिया के साथ राजनयिक संबंध उसकी आजादी के समय से ही स्थापित किए गए तथा प्रेक्षक मिशन को 21 मार्च, 1990 को पूर्ण उच्चायोग के रूप में अपग्रेड किया गया। नामीबिया ने मार्च, 1994 में नई दिल्ली में अपना पूर्ण विकसित रेजीडेंट मिशन खोला।

हमारे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय, राजनीतिक बातचीत सर्वोच्च स्तरों पर होती है। 1990 में नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए नामीबिया का दौरा किया। श्री के आर नारायणन, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री इंद्रजीत गुप्ता तथा एच एस सुरजीत, जो उस समय संसद सदस्य थे तथा प्रतिपक्ष के नेता के रूप में श्री राजीव गांधी ने इस समारोह में भाग लिया; राष्ट्रपति श्री एस डी शर्मा ने 1995 में नामीबिया का दौरा किया; प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 1998 में नामीबिया का दौरा किया तथा अनेक मंत्री स्तरीय शिष्टमंडलों ने भी नामीबिया का दौरा किया। नामीबिया की गणमान्य हस्तियों को आई ए एफ एस 3 के लिए निमंत्रण सौंपने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर (सेवानिवृत्त), ए वी एस एम ने 28 अगस्त 2015 को नामीबिया का दौरा किया।

नामीबिया की ओर से नामीबिया के संस्थापक राष्ट्रपति डा. सैम नुजोमा ने वर्ष 1983 से 13 बार भारत का दौरा किया है तथा हाल के समय में आई सी सी आर के विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम के तहत 17 से 22 नवंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया; प्रधानमंत्री डा. हेज जिंगोब ने 1995 में; राष्ट्रपति हिफीकेपुनी पोहांबा ने 2009 में भारत का दौरा किया तथा अनेक मंत्रालय स्तरीय शिष्टमंडलों ने भी भारत का दौरा किया। 2009 में राष्ट्रपति कोहांबा की भारत यात्रा एक मील पत्थर थी जिससे सभी क्षेत्रों में संबंधों की गति तेज हुई। इस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों द्वारा कई करारों पर हस्ताक्षर किए गए जिसमें परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग में सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण करार शामिल है। अन्य संधियों में निम्नलिखित शामिल हैं : अखिल अफ्रीकी ई नेटवर्क पर एम ओ यू; भूविज्ञान तथा खनिज संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू; रक्षा सहयोग पर एम ओ यू; और राजनयिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट पर एम ओ यू।

प्रथम महिला के साथ नामीबिया गणराज्य के राष्ट्रपति डा. हेज जी जिंगोब ने नई दिल्ली में आयोजित तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 28 और 29 अक्टूबर 2015 को भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति जिंगोब ने 29 अक्टूबर 2015 को भारत के प्रधानमंत्री से मुलाकात की तथा आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। नामीबिया से जो शिष्टमंडल आया था उसमें निम्नलिखित शामिल थे : उप प्रधानमंत्री एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं संबंध मंत्री माननीय सुश्री नेटुंबो नांदी नडैटवाह; राष्ट्रपति कार्यालय में आर्थिक योजना मंत्री और राष्ट्रीय योजना आयोग (एन पी सी) के महानिदेशक माननीय टोम अलविंदो; खान एवं ऊर्जा मंत्री माननीय ओबेथ कांडजोजे तथा कृषि, जल एवं वानिकी मंत्री माननीय जान मुटोरवा।

भारत - नामीबिया विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन नवंबर, 2012 में नई दिल्ली में हुआ। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्यों पर विचारों का आदान प्रदान किया।

क्षमता निर्माण द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है, जो आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत नामीबिया के 1000 से अधिक उम्मीदवारों के प्रशिक्षण में प्रतिबिंबित होता है। 2015-16 के लिए, भारत ने नामीबिया को आई टी ई सी के 136 असैन्य स्लाटों तथा 12 रक्षा स्लाटों का आवंटन किया है। इस समय नामीबिया सरकार में आई टी ई सी के तीन विशेषज्ञ प्रतिनियुक्ति पर हैं। 26 नवंबर 2015 को आई टी ई सी दिवस समारोह के दौरान नामीबिया के भूतपूर्व आई टी ई सी विद्यार्थियों ने अपने सकारात्मक अनुभवों को साझा किया। मुख्य अतिथि तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं

सहयोग उप मंत्री (एम आई आर सी ओ) माननीय पेया मुशेलेंगा ने भारत द्वारा प्रदान किए गए आई टी ई सी तथा अन्य छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की प्रशंसा की तथा दोनों देशों के बीच सहयोग की वृद्धि की आशा व्यक्त की।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

2014-15 में द्विपक्षीय व्यापार 142 मिलियन अमरीकी डालर था जिसमें भारत के निर्यात का मूल्य 108 मिलियन अमरीकी डालर था, जबकि भारत के आयात का मूल्य 34 मिलियन अमरीकी डालर था। दक्षिण अफ्रीका से भारतीय उत्पादों का साकू के जरिए नामीबिया में पुन: आयात भी किया जाता है तथा उनको दक्षिण अफ्रीका से आयात के रूप में दर्शाया जाता है। इसी तरह, नामीबिया के रफ डायमंड भारत में लंदन एवं एंटवर्प होते हुए पहुंचते हैं तथा द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों में परिलक्षित नहीं होते हैं।

भारतीय कंपनियों द्वारा नामीबिया में निवेश में निरंतर वृद्धि हो रही है। नामीबिया ने निवेश करने वाली कुछ प्रमुख भारतीय कंपनियों में वेदांता रिसोर्सेज ऑफ इंडिया शामिल है जिसने एंग्लो अमरीकन जिंक से लगभग 707 मिलियन अमरीकी डालर के सोर्पियन जिंक माइन (नामीबिया) का अधिग्रहण किया है। स्थानीय प्रयोग के लिए प्रतिवर्ष 120000 कंक्रीट रेलवे स्लीपर के निर्माण के लिए भारतीय जी पी टी ग्रुप ऑफ कंपनी तथा ट्रांस नामीब के बीच जी पी टी - ट्रांस नीमीबिया कंक्रीट स्लीपर नामक एक तशूमेब आधारित संयुक्त उद्यम का उद्घाटन सितंबर 2011 में किया गया। भारतीय जी पी टी ग्रुप ऑफ कंपनीज ने नामीबिया में लगभग 2.68 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया है।
एक दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने 26 से 28 अक्टूबर 2015 के दौरान नामीबिया का दौरा किया जिसने भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) से श्री बी एन रमेश, उप महाप्रबंधक तथा श्री प्रवीन अदलखा, वरिष्ठ इंजीनियर, अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन प्रभाग शामिल थे।
भारत और नामीबिया ने 1995 में एक संयुक्त व्यापार समिति स्थापित की तथा पिछली बैठक फरवरी 2008 में वालविस बे, नामीबिया में हुई थी। भूविज्ञान एवं खनिज संसाधनों पर संयुक्त कार्य समूह की बैठक 21 मई 2012 को नई दिल्ली में हुई।
भारत सरकार ने अगस्त 2013 में सूखा राहत के लिए नामीबिया को 2 करोड़ रुपए (जो 3.364 मिलियन नामीबियाई डालर के समतुल्य है) की राशि दान में दी। इससे पहले दो अवसरों पर, हर बार एक करोड़ रुपए की राशि बाढ़ राहत के लिए दान में दी गई थी।
भारत ने नामीबिया के ओंगवेडिया विश्वविद्यालय के परिसर में खनन इंजीनियरिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी की जुड़वा सुविधाओं के निर्माण के लिए नामीबिया को 12.16 मिलियन अमरीकी डालर की राशि मंजूर की है, जिसका नाम इंडिया विंग रखा गया है।

राष्ट्रपति पोहांबा की भारत यात्रा के दौरान 10 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के सहायता अनुदान की घोषणा की गई, जिसके तहत भारत नामीबिया के शिक्षा मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं सामाजिक मंत्रालय को आई टी उपकरणों की आपूर्ति कर रहा है।

सांस्कृतिक संबंध :

भारत और नामीबिया के बीच बहुआयामी संबंध सांस्कृतिक रिश्तों से संपूरित हो रहे हैं। फरवरी 2014 में विंडहोक में आयोजित ''बालीवुड कम्स टू नामीबिया'' नामक एक सप्ताह के भारतीय फिल्म महोत्सव को उत्साहवर्धक रिस्पांस प्राप्त हुआ। नामीबिया में योग का एक समर्पित अनुयायी वर्ग है, जो संसद उद्यान में नामीबिया विश्वविद्यालय में भारतीय उच्च आयोग द्वारा 21 जून 2015 को आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में नामीबिया के सैकड़ों लोगों की भागीदारी से प्रतिबिंबित हुआ।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर), भारत सरकार भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अवर स्नातक / स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई करने / अनुसंधान कार्य करने के लिए नामीबिया के छात्रों के लिए हर साल 22 छात्रवृत्तियों की पेशकश करता है।

आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित ''भांगड़ा एवं गिद्धा'' मंडली ने 11 से 13 अक्टूबर 2015 के दौरान नामीबिया का दौरा किया। इस मंडली ने 13 अक्टूबर 2015 को विंडहोक सिटी पार्क के एंपीथिएटर में अपनी कला का प्रदर्शन किया। सुरक्षा एवं संरक्षा मंत्री माननीय चार्ल्स नमोलोह ने परंपरागत भारतीय दीप जलाकर कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। अंतर्राष्ट्रीय प्रबंध विश्वविद्यालय में 12 अक्टूबर 2015 को नामीबिया के छात्रों के लाभार्थ एक विशेष परफार्मेंस का आयोजन किया गया। नामीबिया में डांस परफार्मेंस का बड़े पैमाने पर स्वागत किया गया।

भारतीय समुदाय

ना मीबिया में भारतीयों या भारतीय मूल के व्यक्तियों की संख्या बहुत कम है। इस समय, नामीबिया में भारतीयों / एन आर आई / पी आई ओ की कुल संख्या 225 के आसपास है। इनमें से कुछ डाक्टर, प्रोफेसर, कैथोलिक प्रीस्ट हैं तथा कुछ लोग वाणिज्य, परिवहन तथा सेवा उद्योग आदि से जुड़े हुए हैं। नामीबिया में भारतीय समुदाय की मौजूदगी निरंतर बढ़ रही है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, विंडहोक की वेबसाइट :
http://www.highcommissionofindia.web.na
भारतीय उच्चायोग, विंडहोक का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiainNamibia
भारतीय उच्चायोग, विंडहोक का ट्विटर पेज :
https://twitter.com/IndiainNamibia

***

जनवरी, 2016